प्रोजेक्ट (परियोजना) कार्य का प्रथम प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित, 500 शब्दों में)

1. **परियोजना कार्य का परिचय एवं क्षेत्र**
   इस बिंदु के अंतर्गत विद्यार्थी अपनी परियोजना का प्रारंभिक परिचय प्रस्तुत करेंगे जिसमें कार्य का वृहत क्षेत्र, आवश्यकता एवं विषय वस्तु की परिकल्पना का विवरण दिया जावेगा ।
2. **परियोजना कार्य की योजना**
   प्रस्तावित कार्य की रूपरेखा तथा किस प्रकार उसे संपन्न किया जाना है, इसकी जानकारी प्रस्तुत करें ।
3. **विद्यार्थियों में कार्य विभाजन**
   समूह में कार्य करने वाले विद्यार्थियों के मध्य परियोजना से सम्बंधित कार्यों का समान तथा स्पष्ट विभाजन होंना अनिवार्य है। कार्य योजना के साथ साथ इस कार्य विभाजन का उल्लेख भी प्रारंभ में ही किया जावेगा जिससे विद्यार्थियों के द्वारा संपन्न कार्य की पृथक पृथक मूल्यांकन के समय स्पष्टता हो सके ।
4. **सम्बंधित कार्यस्थल / संस्थान का विवरण (जहाँ कार्य किया जाना है)**
   परियोजना कार्य / फील्ड सर्वे इत्यादि का कार्यस्थल, जहाँ इसे पूर्ण किया जाना है, अथवा जिस संस्थान या स्थल का प्रारूप समक्ष रखकर योजना बनाई गई है, उसका पूर्ण विवरण दें। विषय की आवश्यकता के अनुरूप संस्थान के अंतर्गत कार्यों का विवरण एवं परियोजना कार्य से सम्बंधित कार्यप्रणाली का विवरण देना उचित होगा ।
5. **उद्देश्य तथा प्रासंगिकता**
   प्रस्तावित परियोजना के लक्ष्य संक्षिप्त और SMART* होना चाहिए.

*S-Specific (विशिष्ट/ स्पष्ट), M-Measurable (मापन योग्य), A-Achievable (प्राप्त/पूर्ण करने योग्य) R-Realistic/ Relatable (वास्तविक/ प्रासंगिक), T-Time Bound (समयबद्ध)

- यहाँ विशिष्ट होने से अभिप्राय है कि परियोजना कार्य के पीछे स्पष्ट निश्चित उद्देश्य और लक्ष्य निर्धारित हों । मापन योग्य का अर्थ है कि उद्देश्य को इस प्रकार से परिभाषित किया जाए कि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रस्तावित उद्देश्य की पूर्ण / आंशिक पूर्ति हो सकी है अथवा नहीं । साथ ही उद्देश्यों की वास्तविक प्राप्ति की सुनिश्चितता संभावना भी अवलोकनीय हो । परियोजना कार्य के उद्देश्य को कितने समय में, किस प्रकार से पूर्ण किया जा सकेगा इसका भी कथन कार्ययोजना में होना चाहिए ।

  परियोजना की उपयोगिता, वास्तविक जीवन में प्रासंगिकता और इसके अनुप्रयोग के बारे में इस रिपोर्ट में लेखन किया जाना चाहिए ।

प्रोजेक्ट (परियोजना) कार्य का द्वितीय प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित, 500 शब्दों में)

---

1. परियोजना कार्यप्रणाली (वर्क फ्लो)

   परियोजना कार्य में की जाने वाली कार्यवाही, चरण और उनके क्रम के बारे में इस रिपोर्ट में लेखन किया जाए ।

2. जानकारी संग्रह / फील्ड सर्वे का विवरण

   परियोजना सम्बंधित सर्वे, आवश्यक जानकारी संग्रह, प्रक्रिया की जानकारी आदि ।

3. साहित्य समीक्षा

   इस परियोजना से सम्बंधित पूर्व कार्य, तकनीकी पक्ष, साहित्य, आदि का प्रमाणिक लेखा जोखा प्रस्तुत करें ।

4. कार्य विभाजन के अनुरुप कार्य की प्रगति (पृथक-पृथक)

   समूह में कार्य करने वाले विद्यार्थियों के मध्य परियोजना की विभिन्न कार्यों का विभाजन किया गया है, अतएव इस द्वितीय रिपोर्ट में प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा अब तक किये गए कार्यों का स्पष्ट ब्यौरा यहाँ अपेक्षित है ।

परियोजना कार्य का तृतीय प्रगति प्रतिवेदन

(स्व-हस्तलिखित, 500 शब्दों में)

1. विद्यार्थी द्वारा सम्पादित कार्य का विवरण (प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा पृथक - पृथक)

   परियोजना में कार्य करने वाले वाले प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा परियोजना के अंतर्गत आबंटित कार्य में से अब तक किये गए कार्यों का विवरण विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाये।

2. जानकारी / आंकड़ों का विश्लेषण

   एकत्रित जानकारी, संख्यात्मक आंकड़ों का सांख्यिकीय एवं तकनीकी विश्लेषण। विश्लेषण का आधार।

3. विश्लेषण की प्रविधि / अनुप्रयुक्त तकनीक

   जानकारी एवं परिणामों को विश्लेषण करने की प्रविधि, प्रविधि का चुनाव, प्रक्रिया का पूर्ण विवरण, औचित्य, त्रुटि एवं परिणामों का विश्लेषण। अपेक्षित परिणामों के सन्दर्भ में तुलना।

4. परियोजना कार्य में आने वाली चुनौतियां

   परियोजना कार्य के दौरान बाधाओं, चुनौतियों एवं अन-अपेक्षित परिणाम देने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी एवं उनसे उत्पन्न परिस्थितियां, उनके समाधान आदि का ब्यौरा।

प्रोजेक्ट (परियोजना) अंतिम रिपोर्ट

(स्व-हस्तलिखित, न्यूनतम 5000 शब्दों में)

1. परियोजना का विषय / शीर्षक
2. विद्यार्थी का मौलिकता घोषणा पत्र
3. पर्यवेक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र
4. संस्था/ व्यक्ति / मार्गदर्शक द्वारा कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र
5. आभार पत्र
6. अनुक्रमणिका
7. अध्याय प्रथम
   - परियोजना कार्य का परिचय एवं क्षेत्र
   - पृष्ठभूमि, साहित्य समीक्षा
   - परियोजना कार्य की योजना, प्रासंगिकता एवं लक्षित प्रतिफल
   - सम्बंधित कार्यस्थल/ संस्थान का विवरण (जहाँ कार्य किया गया है)
8. अध्याय द्वितीय
   - परियोजना कार्य प्रणाली (वर्क फ्लो)
   - जानकारी संग्रह / फील्ड सर्वे का विवरण
   - विश्लेषण की प्रविधि / अनुप्रयुक्त तकनीक, जानकारी / आंकड़ों का विश्लेषण
9. अध्याय तृतीय
   - निष्कर्ष, प्राप्त प्रतिफल एवं विश्लेषण
   - परियोजना कार्य में चुनौतियां
   - निष्कर्ष के आधार पर अनुशंसाएं
10. सन्दर्भ सूची

अध्याय-प्रथम

- **परियोजना कार्य का परिचय एवं क्षेत्र**

  इस बिंदु के अंतर्गत विद्यार्थी अपनी प्रस्तावित परियोजना का प्रारंभिक परिचय प्रस्तुत करेंगे जिसमें कार्य का वृहत क्षेत्र, आवश्यकता, विषय वस्तु की परिकल्पना का विवरण, आदि दिया जायेगा।

- **पृष्ठभूमि, साहित्य समीक्षा**

  इस परियोजना से सम्बंधित पूर्व कार्य, तकनीकी पक्ष, साहित्य, आदि का प्रमाणिक लेखा जोखा प्रस्तुत करें।

- **परियोजना कार्य की योजना, प्रासंगिकता एवं लक्षित प्रतिफल**

  प्रस्तावित कार्य की रूपरेखा तथा किस प्रकार उसे संपन्न किया जाना है, इसकी जानकारी प्रस्तुत करें।

  प्रस्तावित परियोजना के लक्ष्य संक्षिप्त और SMART- .S-Specific (विशिष्ट/ स्पष्ट), M-Measurable (मापन योग्य), A-Achievable (प्राप्त/ पूर्ण करने योग्य), R-Realistic/ Relatable (वास्तविक/ प्रासंगिक), T-Time Bound (समयबद्ध) होना चाहिए।

  परियोजना की उपयोगिता, वास्तविक जीवन में प्रासंगिकता, यह कार्य किस प्रकार से प्रभावी होगा और इसके अनुप्रयोग के बारे में इस रिपोर्ट में लेखन किया जाना चाहिए।

- **सम्बंधित कार्यस्थल / संस्थान का विवरण (जहाँ कार्य किया गया है)**

  परियोजना कार्य / फील्ड सर्वे इत्यादि का कार्यस्थल, जहाँ इसे पूर्ण किया जाना है, अथवा जिस संस्थान या स्थल का प्रारूप समक्ष रखकर योजना बनाई गई है, उसका पूर्ण विवरण दें। विषय की आवश्यकता के अनुरूप संस्थान के अंतर्गत कार्यों का विवरण एवं परियोजना कार्य से सम्बंधित कार्यप्रणाली का विवरण देना उचित होगा।

अध्याय-द्वितीय

- **परियोजना कार्यप्रणाली (वर्क फ्लो)**

  परियोजना कार्य में की जाने वाली कार्यवाही, चरण और उनके क्रम के बारे में इस रिपोर्ट में लेखन किया जाए।

- **जानकारी संग्रह / फील्ड सर्वे का विवरण**

  परियोजना सम्बंधित सर्वे, आवश्यक जानकारी संग्रह, आंकड़ों के एकीकरण, सामान्यीकरण तथा सारणीयन प्रक्रिया की जानकारी आदि।

- **विश्लेषण की प्रविधि / अनुप्रयुक्त तकनीक, तकनीक, जानकारी / आंकड़ों का विश्लेषण**

  एकत्रित जानकारी, संख्यात्मक आंकड़ों का सांख्यिकीय एवं तकनीकी विश्लेषण। विश्लेषण का आधार। जानकारी एवं परिणामों को विश्लेषण करने की प्रविधि, प्रविधि का चुनाव, प्रक्रिया का पूर्ण विवरण।

अध्याय-तृतीय

- **निष्कर्ष, प्राप्त प्रतिफल एवं विश्लेषण**

  प्राप्त परिणामों औचित्य, उद्देश्य पूर्ति, संभावित त्रुटि एवं परिणामों का विश्लेषण। अपेक्षित परिणामों (लक्षित प्रतिफल) के सन्दर्भ में तुलना।

- **परियोजना कार्य में चुनौतियां**

  परियोजना कार्य के दौरान बाधाओं, चुनौतियों एवं अन-अपेक्षित परिणाम देने वाली प्रक्रियाओं की जानकारी एवं उनसे उत्पन्न परिस्थितियां, उनके समाधान आदि का ब्यौरा।

- **निष्कर्ष के आधार पर अनुशंसाएं**

  कार्य के परिणामों और विश्लेषण के आधार पर अनुशंसाएं, अर्थात इस क्षेत्र में कैसे और भी उन्नत प्रक्रम लागू किया जा सकता है, भविष्य में क्या परिवर्तन संभावित हैं जिसके लिए कार्यविधि में परिवर्तन/ परिवर्धन होना चाहिए।

सन्दर्भ सूची

कार्य की साहित्य समीक्षा, प्रविधि, तकनीक आदि के सन्दर्भ में जिन पुस्तकों, लेखों, ऑनलाइन संसाधनों आदि का उपयोग किया है उनके पूर्ण विवरण यहाँ सूची के रूप में दिए जाए।